होमगार्ड की वर्दी जनता के विश्वास का प्रतीक

सीएम ने की 'मुख्यमंत्री अदम्य साहसिक कार्य पुरस्कार' की घोषणा

63 वां होमगार्ड स्थापना दिवस मनाया गया

भोपाल, 06 दिसंबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 63 वें होमगार्ड स्थापना दिवस कार्यक्रम में शनिवार को शामिल हुए. डॉ. यादव ने इस मौके पर 'मुख्यमंत्री अदम्य साहसिक कार्य पुरस्कार' की घोषणा करते हुए होमगार्डों के लिए कई लाभ देने की बात भी कही.

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि होमगार्ड की वर्दी केवल वस्त्र नहीं, बल्कि राष्ट्रधर्म और जनता के विश्वास का प्रतीक है. उन्होंने जवानों की भावना को सम्मान देते हुए कहा कि होम गार्ड सैनिक, पुलिस, रक्षक, प्रहरी की भूमिका में जहां जरूरत वहां अपनी सेवायें पूर्ण निष्ठा और समर्पण से देते हैं. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने होमगार्ड्स के सभी जवानों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ दीं और कहा कि आपकी निष्ठा, आपकी वीरता और आपकी सेवा को नमन करता हूँ। उन्होंने बाबा महाकाल से सभी जवानों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को होमगार्ड्स परेड ग्राउंड भोपाल में होम गार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया. मुख्यमंत्री ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। होम गार्ड्स के जवानों ने बैंड की धुन पर मार्च पास्ट किया. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'मुख्यमंत्री अदम्य साहसिक कार्य पुरस्कार' की घोषणा की, जिसके अंतर्गत कठिन परिस्थितियों में जान-माल की रक्षा करने वाली 10 रेस्क्यू टीमों को प्रतिवर्ष 51 हजार रुपये दिए जाएंगे।

समारोह में होमगार्ड्स द्वारा बोरवेल रेस्क्यू और बिल्डिंग रेस्क्यू का लाइव प्रदर्शन किया गया. होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा प्रबंधन विभाग की महानिदेशक प्रज्ञा रिचा श्रीवास्तव ने विभाग की उपलब्धियों और योजनाओं की जानकारी दी. कार्यक्रम में अल्प संख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना सहित अधिकारी उपस्थित रहे.

होमगार्ड हित में घोषणाएं

- होम गार्ड्स ने पिछले वर्ष 5075 नागरिकों को बचाकर 'मानवता के रक्षक' होने का उदाहरण प्रस्तुत किए.
- 'मुख्यमंत्री अदम्य साहसिक कार्य पुरस्कार' की घोषणा। कठिन परिस्थितियों में जान-माल बचाने वाली 10 रेस्क्यू टीमों को 51-51 हजार रुपये का पुरस्कार।
- होमगार्ड्स के लिए दो माह का बाध्य काल ऑफ समाप्त.
- अनुकंपा अनुदान राशि में 360 रुपये की वृद्धि.
- महाकाल लोक व ज्योर्तिलिंग क्षेत्र की सुरक्षा हेतु 488 पद स्वीकृत.
- प्रमुख मंदिरों व स्थलों पर सुरक्षा हेतु अतिरिक्त बल उपलब्ध कराया जाएगा.
- नए जिलों में आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त पद सृजित होंगे.
- पीपीपी मॉडल और पुनर्धनत्वीयन योजना के अंतर्गत होमगार्ड्स के लिए स्थाई आवास व्यवस्था होगी.
- सरकार आधुनिक उपकरण, अत्याधुनिक प्रशिक्षण व आपदा प्रबंधन क्षमता को सशक्त कर रही है.
- सिंहस्थ-2028 के लिए 5,000 से अधिक होमगार्ड भर्ती का लक्ष्य.

अध्यक्ष परांजपे ने किया पदभार ग्रहण

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कराया पदभार ग्रहण

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 6 दिसंबर. भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पदभार ग्रहण किया. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने उन्हें पदभार ग्रहण कराया.

पदभार ग्रहण समारोह के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं को भी संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लेकर राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का कार्य किया है. महिलाएं अब जागरूक हैं, वह अच्छी तरह से समझती हैं कि लोकतंत्र किस दिशा में जाना चाहिए. महिलाएं अब किसे वोट देना है, यह स्वयं निर्णय करती हैं. वर्ष 2023 में मध्यप्रदेश में हुए विधानसभा और इसके बाद लोकसभा चुनाव के साथ हाल ही में बिहार में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में महिलाओं ने भाजपा की जीत को आसान बना दिया.

महिला कार्यकर्ता मध्यप्रदेश के हर घर तक भाजपा के कार्यों को पहुंचाने का लक्ष्य लेकर कार्य करें. फर्जी व बाहरी मतदाता चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए महिला मोर्चा की सभी कार्यकर्ता एसआईआर के कार्यों में अधिक से अधिक योगदान दें. खण्डेलवाल ने कहा कि इस समय मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य कार्य चल रहा है.

किसानों को राहत नहीं दे रही सरकार

विशेष संवाददाता

भोपाल,06 दिसंबर. मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि पिछले दो वर्षों में किसानों ने सबसे कठिन दौर झेला है, लेकिन सरकार केवल घोषणाओं और प्रचार तक सीमित रही.

पटवारी ने राज्य की भाजपा सरकार पर बोला तीखा हमला

उन्होंने कहा कि खेती की लागत बढ़ने, फसल के दाम गिरने और लगातार प्राकृतिक आपदाओं के कारण हजारों किसान गंभीर आर्थिक संकट में फँस गए हैं, फिर भी उन्हें वास्तविक राहत नहीं मिल पाई है. पटवारी ने कहा कि सरकार दावा करती है कि एक लाख रुपये प्रति बीघा कमाने वाले किसान को पुरस्कार दिया जाएगा, जबकि हकीकत यह है कि किसान अपनी फसल बचाने के लिए कर्ज लेने पर मजबूर हैं. उन्होंने सरकार द्वारा 50 क्विंटल प्रति बीघा उत्पादन देने वाले नए गेहूं बीज के दावे पर भी सवाल उठाया. उन्होंने कहा कि न तो किसी किसान को बताया गया कि यह बीज उपलब्ध कहाँ है, न यह कि किस कृषि संस्थान ने इसे प्रमाणित किया, और न ही किस जिले में इसका परीक्षण हुआ.

इसके उलट इस वर्ष सोयाबीन की हालत इतनी खराब रही कि कई किसानों को प्रति एकड़ पाँच क्विंटल से भी कम उत्पादन मिला. बड़े पैमाने पर नुकसान के बावजूद बीमा कंपनियों ने मुआवज़ा रोक दिया और सरकार केवल समीक्षा बैठकें करती रही. पटवारी ने कहा कि गंभीर बिजली कटौती ने सिंचाई व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है. किसान रातभर मोटर चलने का इंतजार करते रह जाते हैं.

मंत्रालय के गलियारे से

कन्हैया लोधी

शादियों के मौसम में मंत्रालय भी गुलजार

इस समय शादियों का दौर चल रहा है. इसके चलते सभी दलों के नेता व्यस्त हैं, क्या मंत्री, क्या विधायक और क्या पदाधिकारी. इसका असर मंत्रालय में भी दिख रहा है, दूर-दराज के क्षेत्रों के विधायक से लेकर पूर्व विधायक या फिर राजनीतिक दलों से जुड़े नेताजी एक असिस्टेंट के साथ झोला पकड़कर मंत्रालय में अधिकारी और मंत्रियों को कार्ड बांटने में व्यस्त नजर आ रहे हैं. विशेष रूप से कैबिनेट के दिन ऐसे नेताओं के आवक से मंत्रालय कुछ ज्यादा ही गुलजार रहने लगा है. क्योंकि एक ही स्थान में मंत्री और अफसर मिल जाते हैं. अन्य दिनों में भी ये माहौल बना रहता है, लेकिन कैबिनेट के दिन के मुकाबले कुछ कम.

....और गाड़ी आगे बढ़ गई

पिछले दिनो सत्र के दौरान कुछ दिलचस्प मामले भी आये. आसंदी ने एक माननीय को भरोसा दिलाया गया कि आपको बोलने का मौका मिलेगा. दरअसल वे एक ऐसे विषय पर बोलना चाहते थे, जिस विषय पर सदन में चर्चा हो चुकी थी और कार्रवाई आगे बढ़ जाती थी, लेकिन भरोसे में चुप बैठे थे, जैसे ही अगली कार्यवाही की बात आई तो नेताजी ने बोलने के लिये मोर्चा संभाला, लेकिन तब ही एक तेजतर्रार मंत्रीजी ने याद दिलाया कि गाड़ी आगे बढ़ चुकी है, अब रिवर्स नहीं होगी. बस फिर क्या था नियमों से बंधे माननीय मन मसोसकर रह गये.

तेवर जिसने सबका ध्यान खींचा

एक राज्य मंत्री को अपेक्षाकृत लो-प्रोफाइल का माना जाता है, लेकिन पिछले दिनों उन्होंने जिस तरह परफॉर्म दिखाया, उस कारण उन्होंने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा. एक गंभीर विषय पर विपक्ष ने सरकार को घेरने की कोशिश की, न सिर्फ सरकार को बल्कि एक बड़े कार्पोरेट को भी निशाने पर लिया, लेकिन इस मामले में बैकपुट पर आने के बजाय राज्यमंत्री पूरे अफेंसिव मोड में थे, नतीजा ये रहा कि बिना किसी वरिष्ठ के सहयोग के उन्होने अकेले ही मोर्चा संभाला और फिर विपक्ष की बोलती बंद कर दी. अफसर से लेकर माननीय तक उनके इस तेवर को अवाक होकर देखते ही रह गये. अब देखना है कि उनके इस परफॉर्मेंस का कोई असर दिखता है या नहीं.

पहले डीएफओ और अब कलेक्टर की बारी

कुछ माह पहले एक विधायक और एक जिले में पदस्थ डीएफओ के बीच जबर्दस्त द्वंद की स्थिति रही. इस द्वंद में आखिरकार विजयश्री माननीय विधायक को ही मिली, उन्होने डीएफओ को जिले से विदा करवा ही दिया. अब विधायक के राडार पर जिले के कलेक्टर हैं. उन्होंने इसकी शिकायत बड़े स्तर पर की है और शिकायत का बाकायदा वीडियो भी बनवा लिया है.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, महाराणा प्रताप नगर, जोन-1, भोपाल से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स से मुद्रित. संपादक दिलीप झा*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-4939198, ईमेल-bhopalnav@gmail.com RNI Reg. No. 35046/56 डाक पंजीयन क्रमांक M.P/B.P.L/711/2012-14